# Department of Higher Education, Govt. of Chhattisgarh

FOUR YEARS UNDER GRADUATE PROGRAM (2024-28 )

**PROGRAMME : BACHELOR IN ARTS AND HUMANITIES**

**DISCIPLINE - HINDI**

## Curriculum & Credit Scheme (Syllabus)

**of**

## DISCIPLINE - HINDI

Certificate/Diploma/Degree /Honors Course

**According to NEP-2020**

Semester System for all Colleges of Chhattisgarh State
(As per UGC LOCF and Credit System)

**w.e.f. 2024-25**

# FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM UNDER NEP- 2020

## PROGRAM : BACHELOR IN ARTS AND HUMANITIES (2024-28)

## DISCIPLINE: HINDI

## Session- 2024-25

| DSC - 01 to 08 | | DSE - 01 to 12 | |
|---|---|---|---|
| **Code** | **Title** | **Code** | **Title** |
| HNSC-01 | हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) | HNSE-01 | तुलसीदास |
| HNSC-02 | हिन्दी साहित्य का इतिहास – आधुनिक काल | HNSE-02 | छायावाद : प्रतिनिधि रचनाकार |
| HNSC-03 | मध्यकालीन हिन्दी काव्य | HNSE-03 | राष्ट्रीय काव्यधारा |
| HNSC-04 | अर्वाचीन हिन्दी काव्य (भाग एक) | HNSE-04 | भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा |
| HNSC-05 | अर्वाचीन हिन्दी काव्य (भाग दो) | HNSE-05 | भारतीय काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन |
| HNSC-06 | कथा साहित्य | HNSE-06 | कार्यालयीन व व्यावहारिक हिन्दी |
| HNSC-07 | कथेतर गद्य (नाटक, एकांकी, निबंध) | HNSE-07 | छत्तीसगढ़ का लोक साहित्य |
| HNSC-08 | जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी) | HNSE-08 | अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य |
| | | HNSE-09 | पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन |
| | | HNSE-10 | अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि |
| | | HNSE-11 | हिन्दी कहानी |
| | | HNSE-12 | भारतीय साहित्य |
| HNGE-01 TO 02 | | AEC | |
| HNGE-01 | हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) | AEC-03 | हिन्दी भाषा–1 |
| HNGE-02 | हिन्दी साहित्य का इतिहास – आधुनिक काल | HNSEC | |
| | | HNSEC-01 | संप्रेषण कला एवं सर्जनात्मक हिन्दी |

(डॉ. मनीष कुमार दीवान)

11/6/24
(डॉ मंजुला उपाध्याय)

11/6/2024
डॉ. स्वामीराम बंजारे

11/6/24
(Dr. Baljeet Kaur)

11-6-2024

11-06-2024

11/6/2024.
डॉ. अंबरीश त्रिपाठी

# Programme Outcome
# for BA Certificate/Diploma/Degree/Honors Course

FOUR YEARS UNDER GRADUATE PROGRAM (2024-28 )

**PROGRAMME : BACHELOR IN ARTS AND HUMANITIES**

**DISCIPLINE HINDI**

**Session 2024-25**

## According to NEP-2020

4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर विद्यार्थी –

1. भाषा और साहित्य के व्यापक स्वरूप तथा उसके महत्व को समझने में सक्षम हो सकेंगे।
2. भारतीय ज्ञान परम्परा की निरतंरता, उसके महत्व एवं उस ज्ञान परम्परा से स्वंय एवं समाज को समृद्ध करने की दिशा में अग्रसर हो सकेंगे।
3. प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय साहित्य की अवधारणा को समझ सकेंगे।
4. अपने विचार एवं भावों को मौखिक और लिखित रूप में अभिव्यक्त करने हेतु सक्षम हो सकेंगे।
5. मानविकी और समाज विज्ञान के विषयों के अंतर्संबंधों को समझ कर अपना दृष्टिकोण व्यापक कर सकेंगे।
6. साहित्य और लोकतत्व एवं लोकजीवन से जुड़कर अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकेंगे।
7. विद्यार्थियों में तर्कों एवं प्रमाणों द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में निर्णय लेने की क्षमता का विकास हो सकेगा।
8. लैंगिक संवेदनशीलता एवं सद्भाव का विकास हो सकेगा।
9. नवीन संदर्भों में शोधदृष्टि विकसित होगी।
10. आधुनिक तकनीक के साथ हिन्दी के रिश्ते को समझने की क्षमता का विकास होगा।
11. साहित्य के साथ मानव जीवन, विज्ञान तथा पर्यावरण को परिभाषित कर सकेंगे।
12. रोजगार के अवसरों की तलाश, सौंपी गई जिम्मेदारियों के निर्वहन एवं स्वयं का व्यवसाय शुरू करने संबंधी क्षमताओं की समझ का विकास हो सकेगा।

(मनीष दीवान)

11/6/2024
(डॉ. स्वामीराम बंजारे)
अध्यक्ष-हिंदी अध्ययन मंडल
शा० म० क० नि० वि० जगदलपुर

11-06-2024
डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष, केंद्रीय अध्ययन मंडल

(Dr. Baljeet Kaur)
11/06/2024

डॉ. अंबरीश त्रिपाठी

11/6/24
(डॉ. मंजुला उपाध्याय)